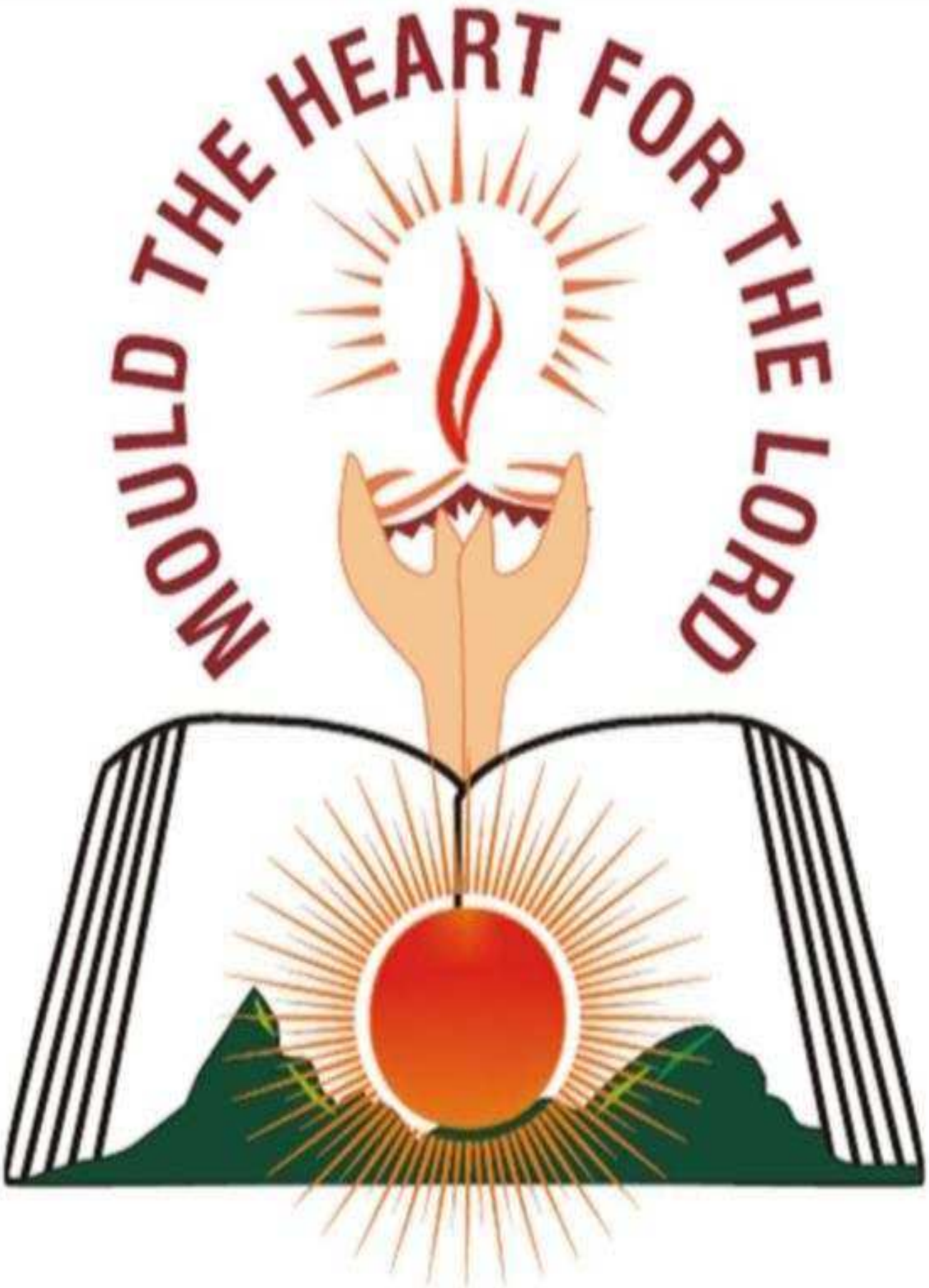

FMGHSS
Koompanpara

शुभकामना

प्रिय अध्यापको और प्यारे बच्चों,

आज का युग डिजिटल युग है। डिजिटल मशीनो द्वारा सभी की सभी क्षेत्र में कार्य करते है । कोरो ना वायरस के कारण बच्चे की पढ़ाई _ लिखाई सब डिजिट लाइस हो गयी प्यारे बच्चों आप के पूरी परिश्रम से बनाये गये यह मैगसिन बहुत अच्छा और आकर्षक है। इसके पीछे कठिन मेहनत काम करने वाले आप सबको मेरा प्रणाम ! हिंदी भाषा की ओर से आपकी रुची प्रशंसनीय है। आप सब को हिंदी दिवस की शुभकामनाएँ देकर . . . . . .

आपका प्रिय प्रधान ध्यापक

सि. क्रिस्टीना

सबको प्रणाम,

आज कल बच्चो के मामले में कोरोना वायरस ज्यादा खतरनाक बन गई है। लॉक डाउण की वजह से विधालय सब बन्ध कर दिये है। बच्चे लोग मोबाइल , इन्टरनेट या टीवी की माध्यम से पूरा ज्ञान प्राप्त करने की कोशिश में है। शिक्षको के निर्देशानुसार आप लोग आज एक डिजिटल मैगसिन तैयार किया । खुशी की बात यह है कि ज्यादा छात्र इसमें भाग लिया । आप लोग लिखने के लिए जितना उत्सुक है तो उतना आप लोगों के भाषाइक क्षमता में भी रोचकता आते है। आप के रूची इच्छा या क्षमता के अनुसार लिखने के लिए तैयार होने वाले आप सबको हिंदी अध्यापक बन्धुओ की ओर से धन्यवाद । **सबको हिंदि दिन की हार्दिक शुभकामनाएं ।**

रीनाटीचर ,सि . जेस्लेट , सि. रोजलिन्ट

सबको प्रणाम,

आज कल बच्चों के मामले में कोरोना वायरस ज्यादा खतरनाक बन गयी ह लॉक डाउन की वजह से विद्यालय सब बन्ध कर दिये बच्चे लोग मोबाइल इंटरनेट या टी वि की माध्यम से पूरा ज्ञान प्राप्त करने की कोशिस में है। शिक्षकों के निरदीसानुसार आप लोग आज एक डिजिटल मैगसीन तैयार किया। खुसी की बात यह है की ज्याथा छात्र इसमें भाग लिया आप लोग लिखने के लिए जितना उत्सुक है थो उठना आप लोगों के भाषायिक क्षमता में भी रोचकता आते है। आप के रूचि इच्छा या क्षमता के अनुसार लिखने के लिए तैयार होने वाले आप सबको हिन्दी अध्यापक बंधुओ की और दे धन्यवा। सबको हिंदी दिन हादरिक शुभकामनायें l

प्रतीक्षा

मैं ने एक पेड लगाया
मैं ने पेड को पानी दिया
मेरी प्रार्थना प्रकृति देवी सुनी
मेरी पेड में छोटा पत्ता आया
मैं बहुत खुशी में था
मैं फल की प्रतीक्षा में था
मेरी प्रार्थना प्रकृति देवी से किया
मेरा पेड भर पत्ते आये
मेरी प्रार्थना न सुनते देवी
पेड पर फल न आया ।
मेरी खेत में बारिश आया
मेरी पेड पर फल ही फल है
मैं प्रतीक्षा की लड़की हुँ
मैं प्रकृति देवी की गोद में हुँ ।

श्रीलक्ष्मी xc
एफ एम जी एच एस एस
कुम्पनपारा

rawpixel

सितम्बर 14

हिन्दी दिवस

शूभकामनाएं

हिन्दी हमारा राष्ट्र भाषा है।

स

ए

प

च

क

आलसी से होने वाले नुकसान

एक जगह में रामु नामक एक किसान रहता था । उसकी पत्नी का नाम था राही । उसको दो बकरी था । उस बकरी का दूध बेचकर वह अपने परिवार को संभाला था । हर सुबह रामु अपने बकरियों को चराने केलिए बाहर जाता है। लेकिन राही साथ नहीं जाती थी । क्योंकि वह आलसी महिला था । तो एक बार रामु एक बीमारी से पीडित हो गया । बीमारी क कारण रामु को बकरी चराने नहीं जा सका तो रामू राही से कहा दो दिन आप बकरी लेकर चलो । बेमनसे राही बकरी चराने गई क्योंकि उस घर में खाने पीने की कोई सामान नहीं था । बकरी को चरागाह में भेजा और राही एक पेड के नीचे बैठ रही थी । बकरी घास खाते खाते घने जंगल में घुस गई । राही बकरी की तलाश में थी लेकिन उसको बकरी नहीं मिली । उस दिन के बाद राही अपनी आलसी छोड दिया और मजूरी करने में उत्सुक थी। कुछ दिन के बाद रामु की बीमारी दूर हो गयी। रामु फिर दो गायें को भी खरीद दिया और उसके देख भाल शुरू किया । राही भी साथ उसे पालने गई । अपनी आलसी छोड़कर अच्छी औरत बन कर काम करने लगी । फिर दोनों खुशी से जीते रहते थे । आलसी हमेशा अच्छी नहीं ।

के .पी . अदित्या नायर

VII B

अस्तमय सूरज की झाँकी

BY DEVANANDHA PRADEEP
VIII C

गेंद और लाल गुब्बारा

एक गॉव में अप्पु नाम का एक लड़का रहता था । वह एक अच्छा लड़का था वह अपने माता पिता के साथ खुशी से रहता था । एक दिन उसके पिता उसकेलिए एक प्लास्टिक की गेंद खरीद कर आया वह बहुत खुश हुई । उसके बाद अप्पु उस गेंद से खेलता रहता था । जब वह खेलते या सोते समय गेंद अपने साथ रखना चहता था । कुछ दिन बीत गया । एक दिनउसकी माँ ने उसकेलिए लाल रंग का एकसुन्दर गुबवारा खरीद दी । अप्पु के यह सुन्दर गुब्बारा बहुत पसन्द आया और उसे लेकर खेलना भी पसन्द था । जब उस को गुब्बारा मिला तब उसने गेंद दूर फेंक दिया और गुबबारा के साथ खेलना शुरू किया । गेंद बहुत उदास हो गई । हर समय गुब्बारा गेंद को मज़ाक उडाता है। गुब्बारा पूरे समय गेंद से कहा .. मैं तुमसे बहुत सुन्दर हुँ। गुब्बारा बहुत अभिमानी था एक दिन वह गुब्बारा विस्फोटित हुई । अप्पु को अपनी गलत समझा और अपना पुरानी गेंद की याद आया । वह पुरानी गेंद के साथ खेलते देखकर पपा ने कहा : नई चीज़ मिलने पर पुरानी चीज़ को बर्बाद न करें। गुब्बारा की तरह अहंकार भी अच्छा नहीं थी । उस दिन के बाद अप्पु कभी पुरानी चीज़ को बर्बाद नहीं किया ।

अनुलक्ष्मी अजी

XC

मोरा हिंदी

जन-जन की भाषा है हिंदी
भारत की आशा है हिंदी
जिसने पूरे देश को है जोड़ा
वो मजबूत धागा है हिंदी
सरल शबदों में कहा जाए तो
जीवन की परिभाषा है हिंदी
भारत माँ की शान है हिंदी
हिंदुसतान का मान है हिंदी
वाणी का वरदान है हिंदी
हम सबका आधार है हिंदी

MELEESA TOMY

रंग सभेद

नीला

बैंगनी

काला

गुलाबी

पीला

नारंगी

लाल

हरा

Meleesa Tommy

बारिश आता है... ...

सारा आकश मेघों से

भरा हुआ था |

गीली हवाएं इधर- उधर

घूम रहा था |

बिजली राणी कि शबदों

सुनता था |

अचानक बारिश बरस

लिया था |

गौरी कृषणा

हिंदी पढ़े, हिंदी पढ़ाएं,
मातृभाषा की

फूलों के नाम

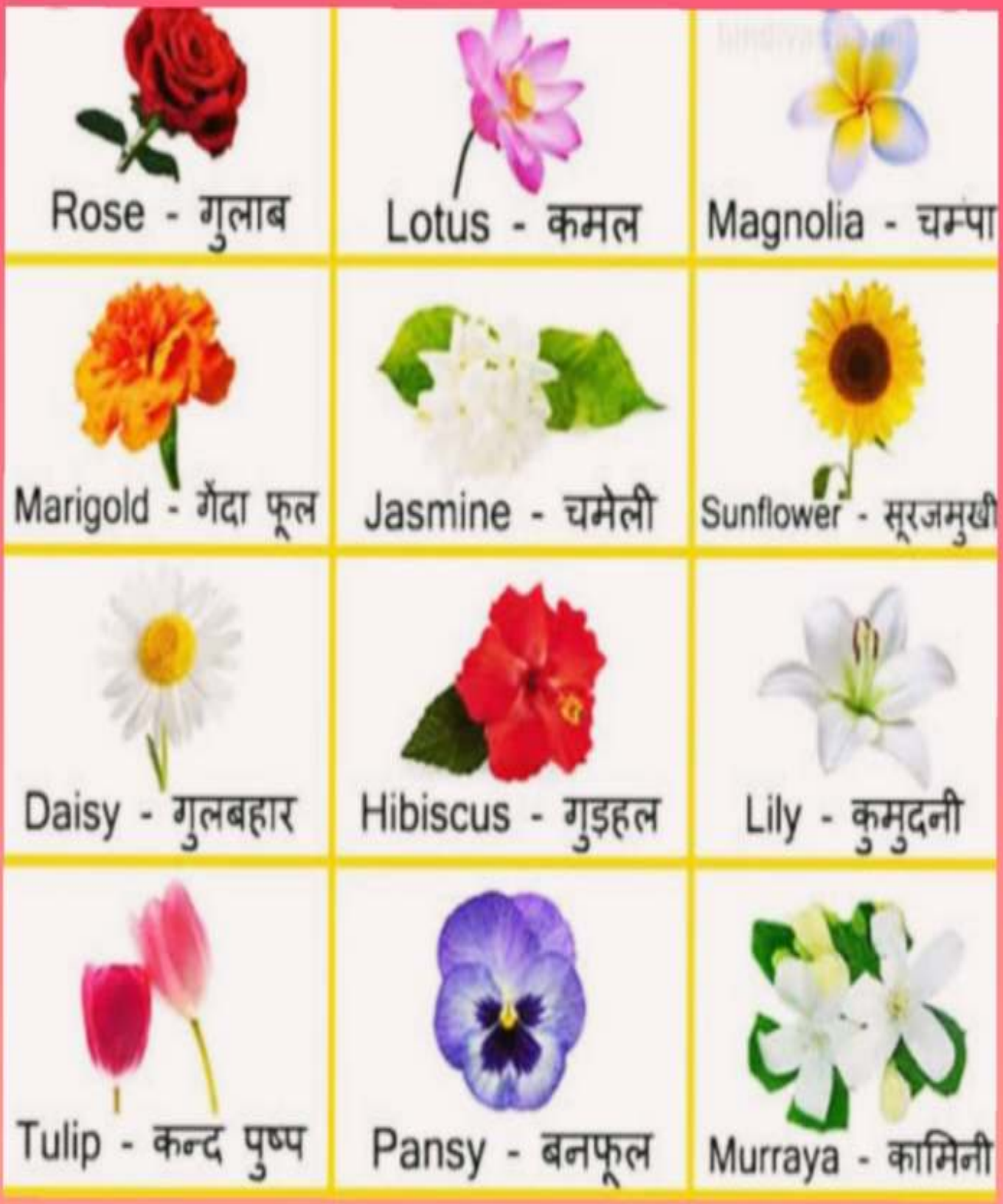
Rose - गुलाब
Lotus - कमल
Magnolia - चम्पा
Marigold - गेंदा फूल
Jasmine - चमेली
Sunflower - सूरजमुखी
Daisy - गुलबहार
Hibiscus - गुड़हल
Lily - कुमुदनी
Tulip - कन्द पुष्प
Pansy - बनफूल
Murraya - कामिनी

षिषिजा वि एस 8D

हिंदी दिवस

सितंबर-चौदह

बिबिजा वि इस

४D

शुभ हिंदी दिवस

हिन्दी पढ़ना और पढ़ाना हमारा कर्तव्य है। उसे हम सबको अपनाना है।

लाल बहादुर शास्त्री

By : मेलीसा टोमी

14 सितंबर 🦋💖

मेरे सभी प्यार को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं। 😊

हिन्दी हमारी राष्ट्रभाषा है। हिंदी की भाषा सभी को पसंद है 💝

शिक्षा सर्वोपरि है

ज्ञान महान धन है
शब्दों से पर
जान की शक्ति
हमे क्या मिलता है
कितनी दौलत
दौलत सबसे आगे है,
अपूरणीय
महान धन, शिक्षा |

हमारी मृत्य से
नाम के बाद
शैतिक संपत्ति
सुंदरता इसके बार मे
विविधता मुत्यु के बाद भी
समय के पन्नों में
जारी रख सकते है
महान धन, शिक्षा ।
नही डाला विज्ञान
बेकार हो जाएगा
योग्य कार्य नैतिकता
देना प्रुप्य हे
अच्छे तरी के चले
इंसाने के लिए
यह साबित करना है
महान धन, शिक्षा |

"हिंदी भारतीय संस्कृति की आत्मा है।"

हिंदी दिवस

14 सितंबर

'हिंदी हमारी पहचान हमारा गर्व'

की शुभकामनाएँ

पार्वति जे. तुम्बयिल

कक्षा : सात डी

हिंदी दिवस

क + म + ल **कमल**	म + ग + र **मगर**
ब + त + ख **बतख**	ऐ + न + क **ऐनक**
औ + र + त **औरत**	अ + क्ष + र **अक्षर**

है जिस से देश की
शान
मेरी हिंदी महान
हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
w3mirchi.com

कमल	फसल	महल	उछल	टहल
मगर	अगर	डगर	नगर	खबर
नहर	पहर	लहर	झटक	भटक
चमक	लपक	पटक	भवन	हवन
पवन	भजन	जलन	नमन	दमन
कलश	पलक	भगत	तखत	शहद

लवाककुम ट हरधयम ट हिंदी घिनाशंसाकल

चित्र के नीचे सही शब्द लिखें... वाक्य की पूर्ति करें

यह मेरा _____ है

मेरे घर में _____ हैं

मेरे घर में _____ हैं

मेरे घर में _____ हैं

मेरे घर में _____ हैं

भाई

घर

पिताजी

बहन

माताजी

हिन्दी
हमारी पहचान हमारी गर्व हमारी शान
हिन्दी दिवस
सितंबर 14
हिन्दी दिवस कि शुभकामनाएं
नोएल जो सजी
7 A
FMGHSS कुम्बनपारा

हिंदी दिवस का भाषण.....

आदरणीय प्रधानाचार्य महोदय, उप-प्रधानाचार्य महोदय, माननीय शिक्षक गण एवं मेरे प्रिय साथियों। आज हिंदी दिवस के मौके पर मैं आप सबके सामने इस विषय पर कुछ पंक्तियां लेकर उपस्थित हूं और आशा करती हूं की यह आप सबको अवश्य रोचक लगेंगे।हर वर्ष **14** सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है और इस सप्ताह को हिंदी पखवाड़ा कहा जाता है। पूरे विश्व में सबसे जादा बोली जाने वाली भाषाओं मे से हिंदी चौथी है। आज़ादी मिलने के बाद, देश मे अंग्रेजी के बढ़ते उपयोग और हिंदी के बहिष्कार को देखते हुए हिंदी दिवस मनाने का निर्णय लिया गया।**14** सितंबर को **1949** को हिंदी को राजभाषा बनाया गया परंतु गैर हिंदी राज्यों ने इसका बहुत विरोध किया, जिसके कारणवश अंग्रेजी को यह स्थान मिल गया और तब से लेकर आज तक हिंदी के सर्वत्र विकास के लिये हिंदी दिवस मनाया जाता है और हर कार्यालय में हिंदी विभाग बनाया गया। ताकि हिंदी को जन-जन तक पहुंचाया जाए और हिंदी को भारत में राष्ट्रभाषा का सम्मान मिल पाए।

धन्यवाद!

बिया बिनोय

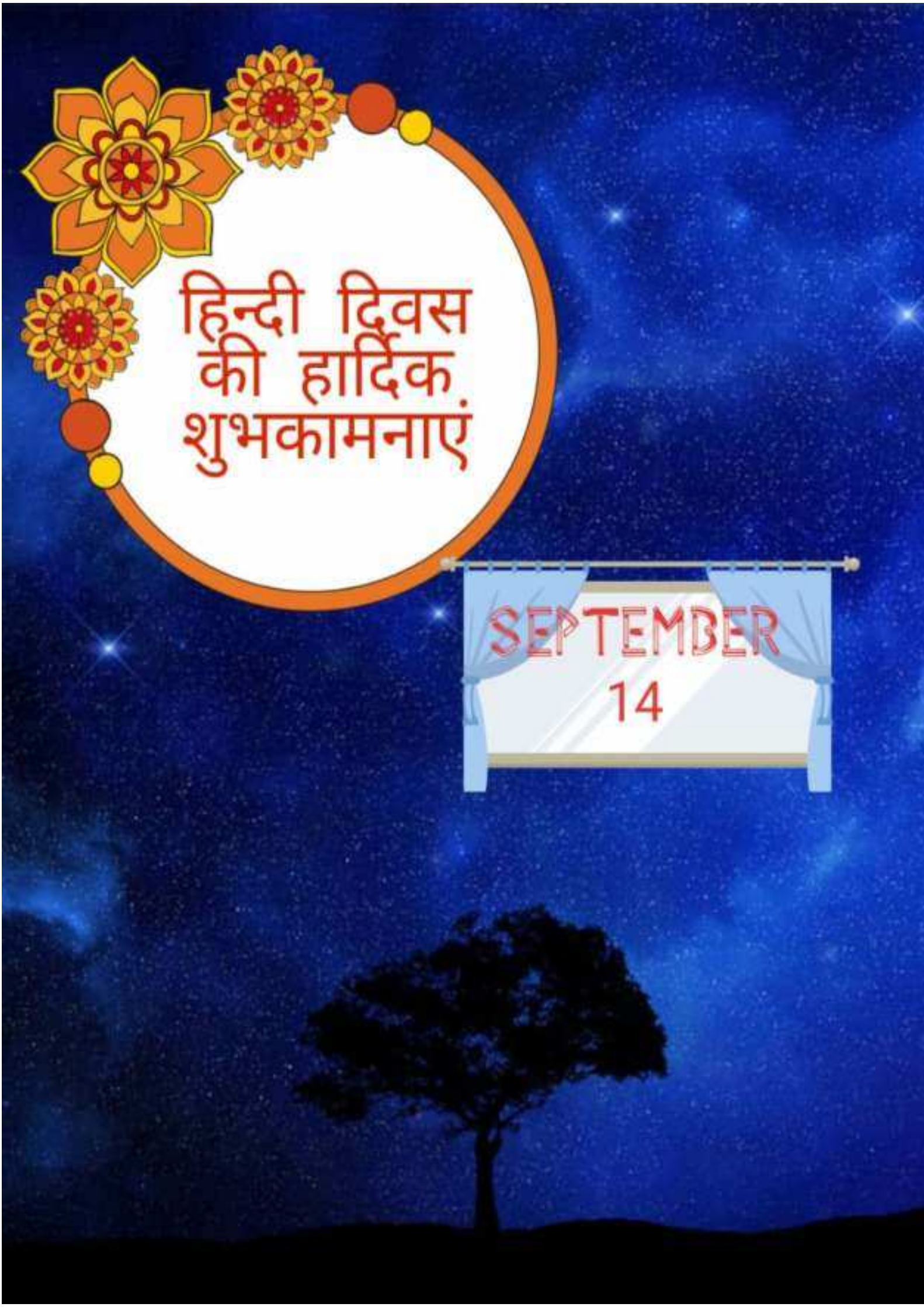
हिन्दी दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएं
SEPTEMBER
14

हिंदी दिवस....

भारत देश में हर वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है । 14 सितंबर 1949 में हिंदी भाषा को राजभाषा का दर्जा मिला । भारत में पहला हिंदी दिवस 14 सितंबर 1953 को मनाया गया । इस दिन का मुख्य उद्देश्य हिंदी भाषा का प्रचार और प्रसार बढाकर उसका विकास करना है । हिंदी विश्व की प्राचीन , समृध्द तथा महान भाषा होने के साथ भारत की राष्ट्रभाषा है । हिंदी भाषा पूरे देश को एकता के सूत्र में बाँधती है । इस दिन भारत के राष्ट्रपति द्वारा हिंदी संबंधित क्षेत्रो में बेहतर काम करनेवाले लोगों और संस्थाओं को पुरस्कृत किया जाता है । इस दिन सरकारी विभागों , स्कूल , कॉलेज आदि में हिंदी संबंधित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है । हिंदी भाषा की लियि देवनागरी है , जो विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक लियि है । हमें अपने राष्ट्रभाषा हिंदी का सम्मान करके अपने देश को आत्मनिर्भर बनाना होगा |

फिदा मुस्तफा

कविता

हिन्दी मेरी आन है।
हिन्दी मेरो शान है।
हिन्दी बिन न कुछ यहाँ
हिन्दी मेरो ज्ञान है।

हिन्दी हो तो माँ की भाषा,
हिन्दी में ममता महान हैं।
हिन्दी ही से तो पहचान भारत की
हिन्दी मेरा अभिमान हैं।

हिन्दी हो सुबह मेरी
हिन्दी हो तो शाम हैं।
कभी हिन्दी शून् तो लगता है,
सब सुनसान है।

हिन्दी देती सवकुछ हिंदी से ही जान हैं।
तुमी हिन्दी बोला में भी हिन्दी बोल
तो लगता है
मेरा भारत महान हैं।

बीमा के असिन

X - D

हिंदी मातृभाषा है इसे हर कोई अपनाएं, अपने बच्चों को हिंदी भाषा बोलना और पढ़ना जरूर सिखाएँ।

भारत के हर इंसान की शान हिंदी, हिंदुस्तान की शक्ति हिंदी, मेरे हिंद की जान हिंदी, हर दिन एक नई पहचान हिंदी।।

हमारी दोस्ती

पूछा किसी ने मुझसे
दोस्ती में इतना खोया क्यों है ?
मैंने कहा कि एक वो ही तो है
जिससे मिलती है मुझे खुशियाँ
उनसे मेरा जन्मों का रिश्ता है
उनसे जुड़ा है मेरा जीवन।

सुख-दुख में साथ है हम
ज़रूरत पर सहारा बने हम
उन्हीं पर टिकी है मेरी जिन्दगी
उनसे शुरू होता है मेरा जीवन
दोस्ती हो तो ऐसा
जिसे कभी तोड़ेगे न हम ।

पार्वती जे

हिन्दी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

हिंदी सिर्फ बोली को नहीं भावों की अभिव्यक्ति है, हिंदी हर भारतीय के लिए मातृभूमि पर मर मिटने की भक्ति है।

तितली रानी

तितली आया तितली आया
मेरी बगीचे में तितली आया।
रंग बिरंगे तितली आकर
आंखों में खूबसूरत रंग भराया।
प्यारी तितली प्यारी तितली
इतना रंग तुझे किसने दिया।
तेरे सुंदर रगं देखकर
मेरा मन खुशी से भर गया।
सुंदर तितली सुंदर तितली
क्या तुम फूलों से मधु पिलाते हो।
तु किसी ओर न उड जाओ
मेरा मन तुझे छूना चाहता है।

सभी को हिंदी दिवस
की शुभकामनाएं ।

हिन्दी दिवस

14 सितंबर

14 सितंबर 1949 को, हिंदी को भारत में आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया गया था।

प्यार से भरी बधाई ❤️

हिंदी दिवस

यह भारतीयों के लिए गर्व का क्षण था जब भारत की संविधान सभा ने हिंदी को देश की आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया। संविधान ने इसे मंजूरी दी और देवनागरी लिपि में लिखी गई हिंदी आधिकारिक भाषा बन गई। 14 सितंबर, जिस दिन भारत की संविधान सभा ने हिंदी को अपनी आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया, हर साल हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। कई स्कूल, कॉलेज और ऑफिस इस दिन को बड़े उत्साह के साथ मनाते हैं। इन जगहों को उत्सव के लिए सजाया जाता है और लोग भारतीय एथनिक परिधान पहनकर आते हैं। कई लोग हिंदी भाषा और भारतीय संस्कृति के महत्व के बारे में बात करने के लिए आगे आते हैं। स्कूल हिंदी वाद-विवाद, कविता और कहानी कहने की प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मेजबानी करते हैं।

नसरीन सुनीर

हिंदी दिवस आ गया🥰

14 सितंबर हमारा हिंदी दिवस है 😄

गरीब आदमी का शाप

एक बार की बात है, उस उत्तरी उमेरिकी शहर में, एक ऐसे देश में जो क्षेत और श्याम को अलग करता था। एक नारियल पर्वतारोही, नारियल रावुण्णी । रावुण्णी केरल का अप्रवासी है। अमेरिका जाते समय रावुण्णी के हाथ में एक नारियल का पैधा था।इसलिए उन्हें अप्रवासी उत्तरी अमेरिका में कुछ मिट्टी मिली और उन्होंने वहाँ नारियल का पैधा लगाया। दो या तीन साल बाद, नारियल खिल गया, रावुण्णी ने नारियल देखा और एक अंग्रेज़ ने पूछा।वाट ईस दिस? रावुण्णी ने कहा : दीस इस कोकनट/ तब रावुण्णी ताड़ के पेड़ पर चढ़ गया और उसमें एक लकड़ी का कोयल अंग्रेज़ को दिया। नारियल पानी का स्वाद अच्छा होता है। उसके रावुण्णी देकर कहा कि उसे कोई पैसा नहीं चाहिए। डोलर का भुगतान किया।

जल्द ही पैसा रावुण्णी के हाथ में आ गया। धीरे-धीरे रावुण्णी अहंकार हो गया। एक बार की बात है एक गरीब आदमी उस तरफ आया। उन्होंने रावुण्णी से एक नारियल पूछा। लेकिन क्या आपके दोस्तों को पता है कि रावुण्णी ने क्या कहा? मैं केवल उन्हें को कोयला दूंगा जिनके पास अच्छा धन होगा, और उन्हें नहीं जो मेरे जैसे हैं। शाप रावुण्णी के पास गया और उससे कहा कि तुम भी थोड़ी देर के लिए ऐसे ही पीटे जाते। बूढ़े गरीब आदमी का मज़ाक सचमुच काम कर गया। रावुणी की नारियल की हथेली पर वज से प्रहार है और रावुण्णी अपने रास्थ में था।

फिदा यूनस

हिन्दी हमारी
राष्ट्र भाषा
क ख
अ आ
हिन्दी
दिवस

कार्य-पत्रक – 5

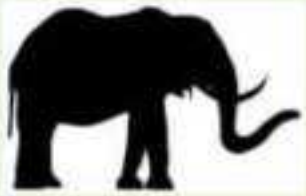

यह **काला** हाथी है ।

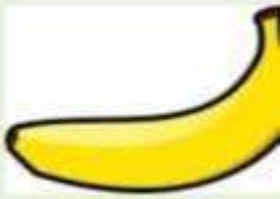

यह केला पीला है ।

यह अनार **लाल** है ।

यह हरा सेब है ।

നമ്പറിനൊത്ത് നിറം നൽകൂ. (1.हरा 2.लाल 3.काला 4. पीला)

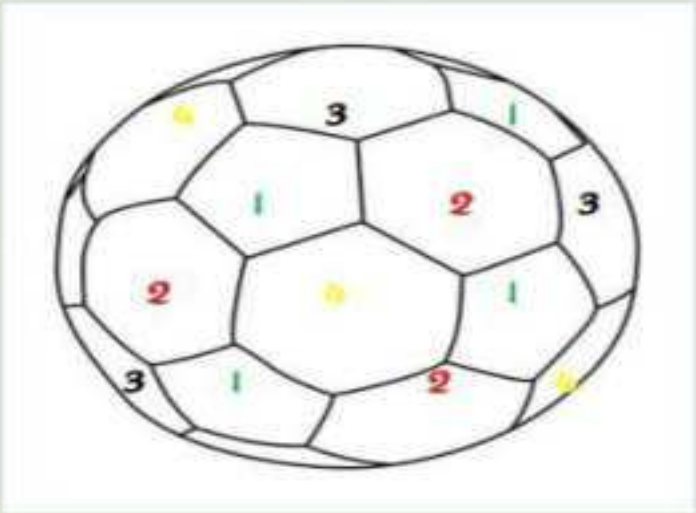

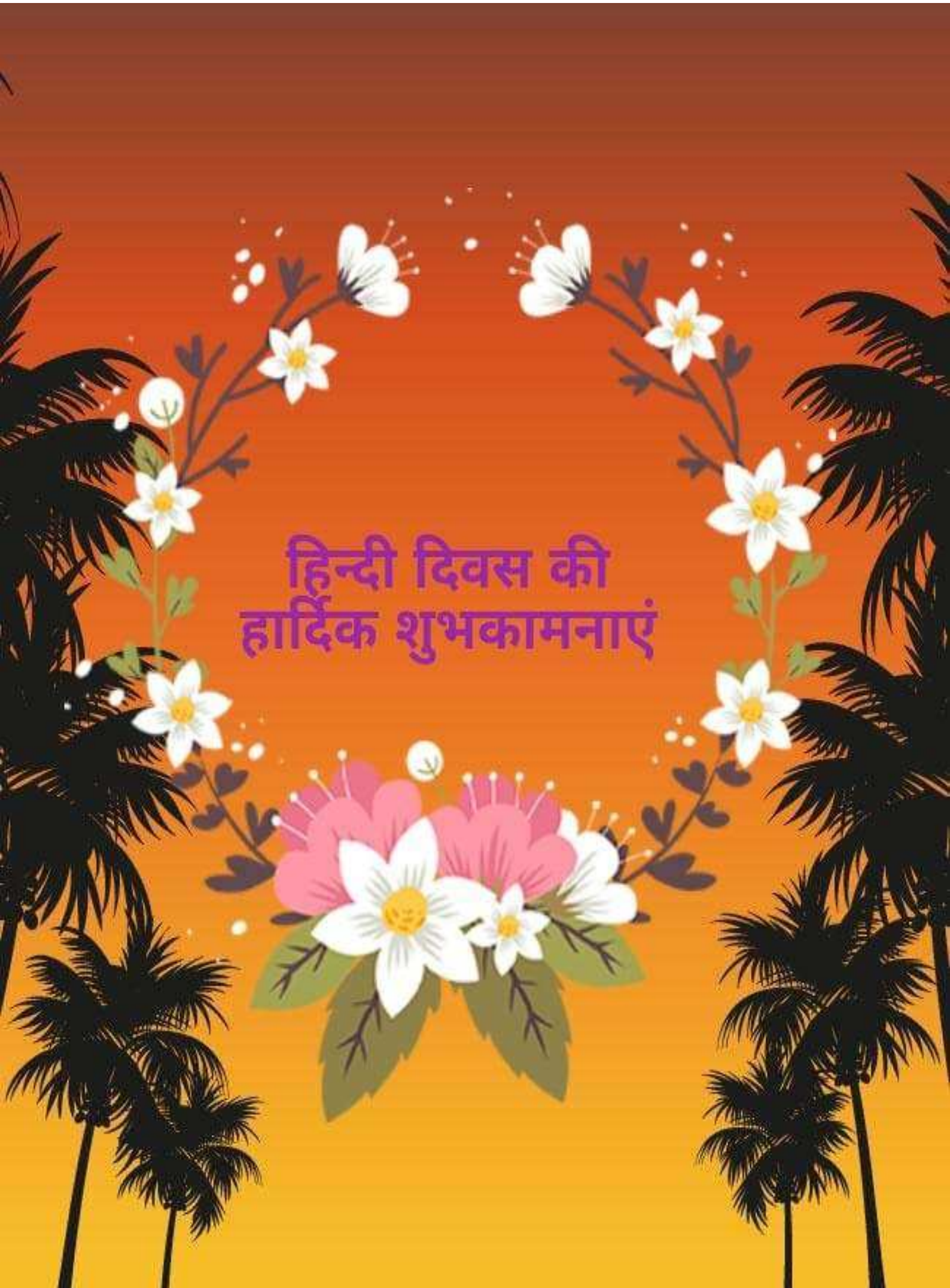
हिन्दी दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

X-C

Pavithra. Jayakumar X-C

हिन्दी दिवस

सितंबर 14

अपने वतन की सबसे
प्यारी भाषा,
हिन्दी जगत की सबसे
न्यारी भाषा
हिन्दी दिवस की
बहुत-बहुत
शुभकामनाएं।

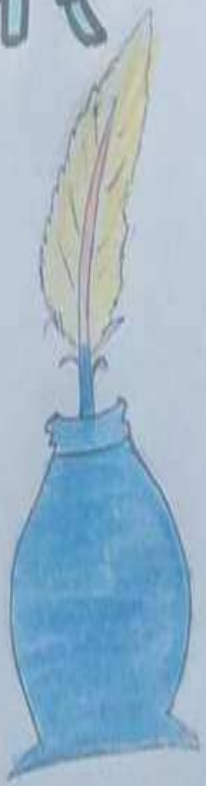

गोपिका बिजु
X सी 31

धन्यवाद

तैय्यार करने वालो,

मुख्य संवादक - फिदा फातिमा

एफ एम . जी . एच एस एस
छात्र छात्राए और हिंदी
अध्यापक